वर्ष 28 अंक 211
पृष्ठ 20
बरेली, गुरुवार
13 अप्रैल 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण

# जागरण के सात सरोकारों में तलाशें स्वरोजगार

## एसआरएमएस में हुई कार्यशाला में विशेषज्ञों ने किया युवाओं का मार्गदर्शन

**जागरण संवाददाता, बरेली :** एक आइडिया, जो आपकी दुनिया बदल दे। हां, ऐसा ही है। यदि आपके दिमाग में ऐसा कोई विचार है जो समाजसेवा के साथ आपको सफल उद्यमी बना सकता है तो उसे दैनिक जागरण के साथ साझा करें। जागरण आपके विचार को मंच देगा। इसी कवायद में युवाओं को सामाजिक उद्यमशीलता से जोड़ने के प्रयास में दैनिक जागरण ने लगातार तीसरे साल जनहित जागरण कार्यशाला का आयोजन किया। एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बीटेक, एमबीए, फार्मेसी के छात्रों को प्रेरित किया कि वे सिर्फ नौकरी के भरोसे न रहें। कुछ नया और अलग सोचें, जो समाज की भलाई के साथ आपकी भी तकदीर बदल दे।

दैनिक जागरण के सात सरोकार, सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज, नारी सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जनसंख्या नियोजन और गरीबी उन्मूलन हैं। इन सातों सरोकार के क्षेत्र में उद्यमशीलता की अपार संभावनाएं हैं। जनहित जागरण में इन्हीं पर मंथन हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ दैनिक जागरण के वरिष्ठ समाचार संपादक प्रदीप शुक्ल, एसआरएमएस के सचिव आदित्य मूर्ति और दैनिक जागरण के रीजनल मार्केटिंग मैनेजर गणेश शर्मा ने किया।

आदित्य मूर्ति ने जनहित जागरण वर्कशॉप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक सराहनीय पहल है। युवा सामाजिक क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने को आगे आएं। गणेश शर्मा ने दैनिक जागरण के सातों सरोकार पर विस्तार से चर्चा की। जागरण की ओर से आए विशेषज्ञ, इन मोशन के संस्थापक व सीईओ दुर्गेश नंदन ने बीटेक की पढ़ाई के साथ सामाजिक उद्यमिता पर स्थापित अपने उद्यम के संघर्ष को बयां किया। बताया की बीटेक अंतिम वर्ष के दौरान आइआइटी रुड़की के एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान उनका रुझान बदला। ख्याल आया कि अपना उद्यम स्थापित करेंगे। लखनऊ में बीटेक अंतिम वर्ष के दौरान ही एंटरप्राइज बनाया। ऑटो चालकों को संगठित किया। ऑटो पर विज्ञापन चस्पा करने लगे। इससे ऑटो चालकों की भी आमदनी होने लगी। शुरुआत में अपना भी खर्च निकलने लगा। फिर इस आइडिया को 20 शहरों तक ले गए। अब दिल्ली में बचत मित्र के काउंटर बनाए हैं। करीब दस हजार ऑटो चालकों को रोजाना की बचत के लिए संगठित कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे आसपास तमाम ऐसे काम हैं, जिन्हें करके आप समाज की भलाई कर सकते हैं। इसलिए युवा सिर्फ नौकरी के सहारे न रहें। आसपास की समस्याएं देखें। उनके समाधान के साथ यह सोचे कि क्या वो इसमें उद्यमी बन सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंकिता टंडन ने किया। डॉ. सुधाष मेहरा, डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. ममता गौड़, डॉ. अनुज सक्सेना, डॉ. सुशील आदि रहे। छात्रों ने उद्यमिता को लेकर सवाल-जवाब भी किए। दैनिक जागरण नेशनल ब्रांड टीम के तरुण गोस्वामी भी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण की ओर से एसआरएमएस में आयोजित जनहित जागरण की कार्यशाला में उपस्थित छात्र, छात्राएं • जागरण

कार्यशाला को संबोधित करते आदित्यमूर्ति। साथ में विशेषज्ञ दुर्गेश नंदन, राजेश राम व दैनिक जागरण के वरिष्ठ संपादकीय प्रभारी प्रदीप शुक्ल, रीजनल मार्केटिंग मैनेजर गणेश शर्मा •

जनहित जागरण की वर्कशॉप में बताए गए सात सरोकारों के बारे में छात्र- छात्राओं और फैकल्टी को बहुत कुछ सीखने को मिला। इसमें पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण आदि कुछ सरोकारों का कॉलेज में अपनाया जा रहा है। जागरण के इस कार्यक्रम को देखकर तय किया गया कि कॉलेज में आने वालों का स्वागत पौधे देकर करेंगे। लोगों को जागरूक भी करेंगे।

**आदित्य मूर्ति, एसआरएमएस**

**जनहित जागरण**
जितने सूरज उतने सवेरे
देश हित में दैनिक जागरण की पहल
www.janhitjagran.com

### यहां करें आवेदन

दैनिक जागरण के जनहित जागरण में अपना आइडिया शेयर करने के लिए आप www.janhitjagran.com आवेदन कर सकते हैं या फिर दैनिक जागरण बरेली कार्यालय से आवेदन पत्र लेकर वहीं फॉर्म जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना फॉर्म भरकर श्रीष दीक्षित, जनहित जागरण ऑफिस स्ट्रेटजी एंड ब्रांड डेवलपमेंट 50 ओखला इंडस्ट्रीज एस्टेट फेज तीन, नई दिल्ली भेज सकते हैं। साथ ही परामर्श के लिए 8250380353 पर संपर्क कर सकते हैं।

## देश के 65 फीसद यूथ में सिर्फ दो फीसद कुशल

**जागरण संवाददाता, बरेली :** भारत दुनिया में सबसे अधिक युवाओं की संख्या वाला देश बन चुका है। करीब 65 फीसद जनसंख्या 15 से 35 वर्ष के बीच की है। बावजूद इसके यह आंकड़े हमें इतराने की इजाजत नहीं देते, क्योंकि 65 प्रतिशत युवा आबादी में महज दो फीसद यूथ ही कुशल हैं। शायद इसीलिए गरीबी उन्मूलन से उबर नहीं पाए। बेरोजगारी की जंग लड़ रहे हैं। इसीलिए बुधवार को दैनिक जागरण की जनहित जागरण कार्यशाला में युवाओं को उद्यमशीलता से जुड़ने का संदेश दिया गया। वे अपने आइडिया पर काम करके खुद सफल उद्यमी बनें और दूसरे युवाओं को भी रोजगार से जोड़ें।

विशेषज्ञ राजेश राम ने उन क्षेत्रों की स्थिति बयां की, जिनके विकास के लिए दैनिक जागरण ने भी मुहिम छेड़ी हुई है। कहा कि युवा दैनिक जागरण के सात सरोकार के क्षेत्रों में समस्या देखें। अपने गांव, कस्बा, शहर और जिला, प्रदेश, देश स्तर पर देखें कि उन क्षेत्रों में कितना काम करने की जरूरत है। आंकड़ों से रुबरू होने के बाद आपका विजन साफ होगा। उसकी प्लानिंग बनाकर पूरी शिद्दत के साथ जुट जाएं। लोग भी जुड़ते जाएंगे। समाधान होगा, देश बदलेगा।

**20 लाख एनजीओ फिर भी समस्या**

: देश में छह लाख गांव हैं। बीस लाख एनजीओ हैं। यानी एक गांव के हिस्से में करीब तीन एनजीओ आते हैं। फिर भी हर गांव, कस्बा और क्षेत्र में समस्याएं जस की तस हैं। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने समाज, देश के विकास के लिए समस्यात्मक क्षेत्र को उद्यमशीलता के लिए चुनें।

**पीएम ने किया था सम्मानित**

वक्ता राजेश राम ने छात्रों को बताया कि पिछली बार सबसे अच्छा विचार देने वाले युवा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरस्कृत किया था।

### बनें आत्मनिर्भर

- गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तीकरण के लिए स्थापित करें उद्यम
- अप्रशिक्षित युवाओं की 63 फीसद आबादी न बन जाएं बोझ

### आठ फीसद ही ग्रेजुएट

वक्ता राजेश रमा ने कहा कि वर्ष 1947 में देश की आबादी करीब 36 करोड़ थी। तब साक्षरता दर 12 फीसदी थी। आज 1.25 करोड़ के करीब है, तो साक्षरता दर 74 प्रतिशत है। यानी करीब 30 करोड़ भारतीय अभी भी अशिक्षित हैं। जबकि देश में महज आठ फीसदी युवा ग्रेजुएट हैं।

### चार प्रतिशत महिलाएं टॉप पर

आजादी के वक्त भारत में दस प्रतिशत महिलाएं ही शिक्षित थी। अब 47 फीसदी है। जबकि विकसित देशों में महिला शिक्षा का स्तर 70 फीसदी है। हमारे देश में महज चार फीसदी महिलाएं विभिन्न संस्थानों में उच्च स्थानों पर हैं। जबकि विदेशों में इनकी भागीदारी 24 प्रतिशत है।

### महिलाएं अपनी ताकत को बनाएं पहचान

जनहित जागरण में महिलाओं से आह्वान किया गया कि वे अपनी पहचान को ताकत बनाएं। ऐसा उद्यम स्थापित करें, जो उन्हें आर्थिक सशक्त बनाएं। उनकी शिक्षा का स्तर बढ़ाने का जरिया बने। समाज की समस्या पर काम करें।

### मंच का प्रमुख उद्देश्य

जनहित जागरण वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य लोगों को जाग्रत करना और देश में सुधार लाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है। हर व्यक्ति को अपनी योजना बताने का अवसर देना, जो किसी भी सामाजिक समस्या में सुधार ला सके। श्रेष्ठ सात योजनाओं को जनहित जागरण पुरस्कार 'सर्वश्रेष्ठ योजना' से सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ योजना के कार्यान्वयन के लिए कुल दस लाख रुपये की सहयोग राशि कार्यान्वयन के दौरान समय-समय पर आवंटित की जाएगी। तकनीक आधारित सबसे बेहतर सुझावों को एफआइटीटी (आइआइटी दिल्ली) में विकसित करने का अवसर भी मिलेगा।

### ये लोग ले सकते हैं भाग

दैनिक जागरण के सात सरोकारों से जुड़े को अनूठे उपाय रखने वाले व्यक्ति समूह, संगठन और संस्था के लोग शामिल हो सकते हैं।

### बोले शिक्षक

दैनिक जागरण के सात सरोकार राष्ट्रीय महत्व के सरोकार हैं। इन पर कार्य करने के साथ समाज सेवा और उद्यमिता के अवसर छात्र-छात्राओं को प्राप्त हो सकते हैं।

**डॉ. सतीश पंत**

सात सरोकारों में महिला सशक्तिकरण पर छात्र-छात्राएं बेहतर काम कर सकते हैं। वर्कशॉप से छात्र-छात्राओं को आइडिया मिले कि वे लोग जीवन में कैसे आगे बढ़ सकते हैं। इन सरोकारों से खुद रोजगार पाकर दूसरों को रोजगार दे सकते हैं।

**अंकिता श्रीवास्तव**

सात सरोकारों से संबंधित वर्कशॉप में मिली जानकारियों से छात्र-छात्राएं लोगों से जुड़ना सीखेंगे, जिससे कि वे संसाधनों का सही प्रयोग करना सीखेंगे और अन्य लोगों को सिखाएंगे।

**अरविंद मिश्रा**

### बोले छात्र

वर्कशॉप से पर्यावरण, जल, स्वस्थ समाज के प्रति सकारात्मक सोच के साथ काम करने की सोच पैदा हुई है। इसे धरातल पर उतारने का जज्बा मिला है, उसके साथ काम करूंगा।

**रचित अग्रवाल, छात्र**

जनहित जागरण की टैगलाइन 'जितने सूरज उतने सवेरे' से समझ आता है कि इन सरोकारों पर लोगों को साथ जोड़कर साफ नीयत से काम कर सकते हैं। वर्कशॉप में जानकारी मिल गई।

**रजत गुप्ता**

वर्कशॉप में आकर पता चला कि जॉब के साथ देशहित, पर्यावरण हित, समाज हित में भी काम आसानी से किए जा सकते हैं। बस जरूरत केवल लगन के साथ काम करने की है।

**सुमित शर्मा**